डॉB केनेथ मैथ्यूजÆ उत्पत्तिÆ सत्र ČĆÆ
याकूब की बेटी और बेथेल की ओर वापसीÆ
उत्पत्ति ĊÇÈĈÆĊĐÈĈ

© 2024 केनेथ मैथ्यूज और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. केनेथ मैथ्यूज द्वारा उत्पत्ति की पुस्तक पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 20 है, याकूब की बेटी और बेथेल की वापसी। उत्पत्ति 34:1-37:1।

सत्र 20, याकूब की कहानी के अंतिम अध्यायों से संबंधित है।

यह याकूब और उसके वंशजों, उसके 12 बेटों पर केंद्रित है। इसलिए, हम जो करना चाहते हैं वह अध्याय 34, 35 और 36, इन तीन अध्यायों के माध्यम से काम करना है, और हम पाएंगे कि अतीत से वर्तमान में एक संक्रमण है, विशेष रूप से याकूब की वंशावली का भविष्य। और अतीत से भविष्य में इस तरह के संक्रमण के सबूत, मैं अध्यायों के माध्यम से काम करते समय बताऊंगा, लेकिन इसका पूर्वावलोकन देने के लिए, हम यह पता लगाने जा रहे हैं कि अतीत से संबंधित चार दफनों का उल्लेख होगा, जिनमें से मुख्य याकूब और एसाव के पिता, इसहाक का दफन है, जो उस युग के अंत का संकेत देता है।

साथ ही, हम देखेंगे कि अध्याय 28 में बेथेल में याकूब से किया गया वादा पूरा होगा, कि वह बेथेल लौटेगा और प्रभु की आराधना करेगा, और यह अध्याय 35 में होगा। इसके अतिरिक्त, आप देखेंगे कि याकूब के दक्षिण की ओर बढ़ने पर भौगोलिक परिवर्तन होता है। जैसा कि उसने किया था, आपको एसाव से मिलने में याद होगा, वह यरदन नदी से होकर गुजरा था, और फिर शेकेम, और फिर बेथेल, और फिर हेब्रोन।

हम उस बदलाव को देखेंगे। हमारे अंश का ध्यान याकूब के बेटों पर होगा, और जो हम पाएंगे वह थोड़ा निराशाजनक है, मुझे लगता है, और वह है याकूब के बेटों का नैतिक पतन। अध्याय 34 में याकूब के बेटों के नैतिक पतन को बहुत नाटकीय ढंग से उजागर करना शुरू किया गया है।

फिर, हम इसके साथ समानताएँ पाएँगे: याकूब के बेटों की दुर्दशा, भ्रष्टाचार, नैतिक पतन और नैतिक विघटन के लिए क्या उपाय है? क्या परमेश्वर का वादा बेटों के नैतिक पतन को दूर कर देगा? और हम पाते हैं कि ऐसा होगा। अध्याय 42 से 44 में, हम देखेंगे कि बेटों की ओर से पश्चाताप है जिस तरह से उन्होंने अपने ही भाइयों में से एक को बेच दिया था।

यूसुफ। इसलिए, हम देखेंगे कि अध्याय 34, 35 और 36 हमें यूसुफ की कहानी और उसमें होने वाले धोखे को समझने में मदद करते हैं। बाकी कहानियों में, हम बार-बार देखेंगे कि कहानी में धोखा कैसे एक महत्वपूर्ण चल रहे मूल भाव के रूप में काम करता है और कैसे यह विचार जो अब्राहम के समय से ही

पत्नी-बहन के धोखे के अभ्यास में शुरू हुआ था, वास्तव में इसकी परिणति नहीं थी, लेकिन निश्चित रूप से याकूब के व्यक्तित्व में इसका चरम बिंदु था, जो मुख्य धोखेबाज है।

लेकिन इसकी परिणति यूसुफ की कहानी में मिलती है, जिसे हम अगली बार देखेंगे। अध्याय 34 में जो कुछ हो रहा है, उसकी पृष्ठभूमि को देखने के लिए, हम अध्याय 33 के अंतिम पैराग्राफ में पद 18 से शुरू होते हुए देख सकते हैं। वहाँ, याकूब पद्दन अराम, अराम के मैदान से आया था, और यह हमें अध्याय 32 और 33 में बताया गया है।

आपको अध्याय 32 और 33 में संघर्ष याद है। परमेश्वर के साथ उसका संघर्ष, और फिर जब वह एसाव से मिलता है, इसका वर्णन अध्याय 33 में किया गया है। और जो मेल-मिलाप होता है।

इसलिए, हमें बताया गया कि वह सुरक्षित रूप से शेकेम शहर में पहुँच जाता है, जो कि मध्य इज़राइल में होगा। यह उन स्थानों में से एक था जहाँ अब्राहम ने निवास किया था और पूजा में एक वेदी बनाई थी, और यह आपको अध्याय 12 में याद दिलाया गया है। किसी भी मामले में, वह कनान में पहुँच गया था और शहर की नज़र में डेरा डाला था।

सौ चाँदी के सिक्कों के लिए, उसने शेकेम के पिता हामोर के बेटों से खरीदा, जो इस मामले में एक व्यक्ति है। इसलिए, शेकेम का मतलब शहर या शहर या शेकेम के व्यक्ति से हो सकता है। और इसलिए, ये शेकेमाइट्स हैं ।

मकफेलह में दफन स्थल की खरीद का संदर्भ दिया गया है। उस मामले में, इसे एक दफन स्थल के लिए खरीदा गया था, और इसलिए यहां उन्होंने न केवल दफन के लिए एक जगह खरीदी, बल्कि एक जगह के रूप में जहां वह दुकान स्थापित कर सकते थे और जहां उनका शेकेमियों के साथ सकारात्मक संबंध होगा। इसलिए , उन्होंने जमीन खरीदी, और उन्होंने अपना तंबू खड़ा किया, जिसका अर्थ है जैकोबाइट्स का उनका समुदाय , आप कह सकते हैं, जो उनके बच्चे, उनकी पत्नियाँ, उनके विभिन्न नौकर, उनके पालतू जानवर और कुछ भी होगा जो उस समय उनकी संपत्ति का हिस्सा होगा।

और वहाँ उसने एल एलोही , ईश्वर, एल, ईश्वर, इस्राएल के ईश्वर की पूजा की। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि उसने अपने पिता अब्राहम और इसहाक की तरह पूजा की, जिन्होंने भी वेदियाँ स्थापित की थीं। तो आपके पास पूर्वजों के ईश्वर की मान्यता की यह निरंतर विरासत है।

इस मामले में, सामान्य शब्द एल एलोही का उपयोग किया जाता है । अब, इस्राएल का परमेश्वर, दूसरा, इस्राएल नाम का महत्व। और आप अच्छी तरह से कल्पना कर सकते हैं कि जो लोग मूसा के समय में इस्राएल बन गए लोगों के अनुभव के संदर्भ में उत्पत्ति पढ़ रहे हैं, और बाद में जब वे कनान की भूमि में प्रवेश करते हैं, तो याकूब के साथ उनकी पहचान और उत्पत्ति की पुस्तक में आने वाली कहानियों में यह कितना महत्वपूर्ण रहा होगा।

तो, याकूब का नाम इस्राएल रखा जाना अध्याय 32, श्लोक 28 में पाया जाता है। तो यहाँ हम संघर्ष की पिछली कहानियों का एक साथ मिलन देख रहे हैं। और अब हम एक नए तरह के संघर्ष की ओर बढ़ने जा रहे हैं।

शेकेमियों के साथ संघर्ष है। और यह पूरे अध्याय में है। और आपके लिए यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि लिआ ने एक बेटी दीना को जन्म दिया।

वह शिमोन और लेवी की माँ भी थी, इसलिए दीना का उनसे घनिष्ठ रक्त संबंध है - पूर्ण भाई और बहन। शेकेम द्वारा दीना को अपमानित करने पर उनकी प्रतिक्रिया के लिए यह महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

शेकेमियों के खिलाफ धोखे का इस्तेमाल करके उसके अपमान और उसकी बदनामी का बदला लेते हैं, जिसके कारण इन दो भाइयों ने हत्या कर दी। और फिर मुझे लगता है कि शेकेमियों के कत्लेआम में उनके दूसरे भाई भी शामिल हो गए थे । यह एक भयानक कहानी है।

यह एक भयावह कहानी है जो हमें सीधे तौर पर दिखाती है कि जैकब के बेटों की नैतिकता में किस तरह गिरावट आई है। मैं जैकब से भी बहुत प्रभावित नहीं हूँ, क्योंकि जब उसे पता चलता है कि उन्होंने क्या किया है, तो वह निश्चित रूप से स्वार्थी हो जाता है। और वह अपने बेटों को सुधारने के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करता।

वह उन्हें डांटता है क्योंकि वे सही काम नहीं कर रहे हैं। वह कहता है कि मैं स्थानीय पड़ोसियों की नज़र में बदनाम हो जाऊँगा। दूसरे शब्दों में, वह पड़ोसियों द्वारा किसी भी तरह के प्रतिशोध के बारे में चिंतित है।

उसे चिंता है कि उनके साथ शांतिपूर्ण संबंध खतरे में पड़ जाएंगे। और उसके पूरे समूह को संदेह की दृष्टि से देखा जाएगा। इसलिए अध्याय 34, श्लोक 1 से 31 में, बल्कि श्लोक 1 से 4 में, मैं कहना चाहूँगा, हम उस पृष्ठभूमि की घटना को देखेंगे जो याकूब के बेटों की ओर से जानलेवा विश्वासघात और उनके पिता याकूब के साथ विश्वासघात की ओर ले जाएगी।

इसलिए भले ही याकूब ने परमेश्वर के साथ कुश्ती में सफलता प्राप्त की हो और पश्चाताप करने वाले एसाव से उसकी मुलाकात हुई हो और उसने मेल-मिलाप किया हो, लेकिन उसके बुरे चरित्र के कारण वह जहाँ भी गया, उसके साथ जो दर्द और दुख रहा, वह जारी रहेगा। हमने इसे पिछली कहानियों में भी देखा था, जहाँ, उदाहरण के लिए, आदम और हव्वा, बगीचे में उनके अपराध ने उन सभी लोगों की ओर से पाप और दुष्टता की विरासत को जन्म दिया, जिन्होंने सभी मनुष्यों का अनुसरण किया। और इसका स्पष्ट संकेत अध्याय 4 में तुरंत बाद हुआ, जहाँ हमें एक भाई-भतीजावाद मिलता है।

हमारे पास एक रिश्तेदार, एक भाई है, जो हाबिल के खिलाफ अपने भाई कैन को मार डालता है। इसलिए लिआ की बेटी दीना, जिसे लिआ ने याकूब से जन्म दिया था, देश की महिलाओं से मिलने के लिए बाहर गई। तो, यह वह अवसर है जो शेकेम के उसके प्रति आकर्षण और उसके प्रति उसके आकर्षण की ओर ले जाता है।

अब, ध्यान दें कि शेकेमियों को हिव्वी भी कहा जाता है, और आप इसे श्लोक 2 में देखेंगे। हिव्वी लोग एक समूह थे जो कनान देश में रहते थे। सात लोग समूह या राष्ट्र हैं जिन्हें, जैसा कि आप कह सकते हैं,

पूरे कनान लोगों के समूह के प्रतिनिधि सात के रूप में देखा जाता है। हिवियों का उल्लेख सात राष्ट्रों के साथ इस्राएल के शत्रुओं के रूप में किया जाता है जब वे भूमि में प्रवेश करते हैं।

हिवियों का इतिहास और व्युत्पत्ति विज्ञान कठिन है और वास्तव में वे तय नहीं हैं। लेकिन यह तथ्य कि आप शेकेमाइट्स और हिवियों का आदान-प्रदान कर सकते हैं और एक ही लोगों को संदर्भित कर सकते हैं, हमारे लिए इतना परेशान करने वाला नहीं होना चाहिए। हम भी यही करते हैं।

उदाहरण के लिए, हम कह सकते हैं कि मैं मेरे मामले में, मैं एक टेक्सन हूँ, लेकिन एक अमेरिकी भी हूँ। अब, जब शेकेम, हिव्वी हामोर का पुत्र, उस क्षेत्र का शासक है, तो उसे न्यू इंटरनेशनल वर्जन में शासक के रूप में वर्णित किया गया है, यहाँ वह एक राजकुमार है। और इसलिए वह शेकेम क्षेत्र का शासक है।

ध्यान दें कि यह यहाँ एक क्षेत्र की बात कर रहा है, एक ऐसा क्षेत्र जो केवल शहर-राज्य से कहीं अधिक व्यापक है। अब, दीना के बारे में उनके अवलोकन का वर्णन करने में जिस भाषा का उपयोग किया गया है, वह हमें उत्पत्ति अध्याय 6 की याद दिलाती है, जहाँ आपके पास पुरुषों की बेटियों को भगवान के पुत्रों के रूप में पहचाने जाने वाले पुरुषों द्वारा देखा गया है। यहाँ, हम इसे कहते हैं। ध्यान दें कि यहाँ हमारे पास वह भाषा है, देखा, लिया, और यही उत्पत्ति अध्याय 6 में वर्णित है। उन्होंने पुरुषों की बेटियों को देखा, और फिर उन्होंने उन्हें पत्नियाँ बना लिया।

इस मामले में, लिया विवाह के लिए एक रूपक नहीं है। इस मामले में, उसने वास्तव में उसे मजबूर किया, मेरे विचार से, उसे मजबूर किया। और फिर हमारे पास न्यू इंटरनेशनल वर्जन में उसका उल्लंघन करने वाला शब्द है।

कुछ संस्करणों में छेड़छाड़ लिखा होगा। अब, परंपरागत रूप से, इसका अनुवाद बलात्कार किया गया है, और इस हिब्रू शब्द के अर्थ के बारे में कुछ बहस हुई है, जिसका अर्थ हो सकता है, और मोटे तौर पर इसका अर्थ अपमान है। हिब्रू में बलात्कार के लिए वास्तव में कोई एक शब्द तकनीकी शब्द नहीं है।

अब, बलात्कार का वर्णन दो या अधिक शब्दों में किया गया है, और मुझे लगता है कि यहाँ वर्णन, जैसा कि हम विशेष रूप से शब्द 'ले लिया' के साथ पाते हैं, इस तथ्य का संकेत है कि उसे यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया था, जो उसके व्यक्तित्व का उल्लंघन है। और अगर आप कहते हैं, ठीक है, इसका क्या मतलब होगा अगर उसने उसे अपमानित किया? शायद इसका मतलब यह था कि, बेशक, उसका अपहरण करना एक अपमान होगा। और सगाई और फिर शादी की उचित प्रक्रिया से नहीं गुजरना, जहाँ दहेज दिया जाता और दीना के परिवार को इस प्रक्रिया में लाया जाता और उसका सम्मान किया जाता।

लेकिन मुझे लगता है कि यहाँ यौन उल्लंघन हुआ था, उसकी ओर से विवाह-पूर्व बलात्कार हुआ था। उसका दिल दीना की ओर आकर्षित था। इसलिए, इसमें उसके पास जाने और यह देखने का विचार है कि वह लड़की से प्यार करता था और उससे कोमलता से बात करता था।

अब, कुछ मामलों में, ऐसा नहीं होता है जब इस तरह का उल्लंघन होता है। लेकिन उसके दिल में उसके लिए सच्चा प्यार था। हमें नहीं पता कि उसने इसमें किस हद तक भाग लिया या सहयोग किया।

निश्चित रूप से, उसका उल्लंघन सबसे अपमानजनक, सबसे भयानक, सबसे भयावह होता। मोज़ेक वाचा कानून में ऐसे कानून दिए गए हैं जो एक निर्दोष महिला के खिलाफ इस तरह के भयावह कृत्य के लिए सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसलिए, हम वास्तव में कथा के शेष भाग में उसके बारे में नहीं सुनते हैं।

और इसलिए, इस अर्थ में, यहाँ बताई गई कहानी इस बिंदु पर विस्तार से नहीं जाती है, बल्कि इस बात पर ध्यान केंद्रित करती है कि इस उल्लंघन का क्या परिणाम हुआ। इसलिए, वह अपने पिता, हामोर से कहता है, मैं चाहता हूँ कि आप बातचीत शुरू करें, और मैं उसे अपनी पत्नी के रूप में चाहता हूँ। अब, ध्यान दें कि यह पद 5 में कहा गया है, और यह एक ऐसा खंड शुरू करता है जो उसे शेकेम छोड़ने और बेतेल जाने की ओर ले जाएगा, 5 से 15 तक।

और 5 से 15 में, या बल्कि मुझे उस पर वापस जाना चाहिए, 5 से 24 में, वास्तव में। 5 से 24 में, हमारे पास दीना से विवाह के लिए हविवियों की बातचीत है। ध्यान दें कि वह इसके बारे में कैसे सुनता है, और उसके बेटे दूर थे, लेकिन वह इसके बारे में चुप रहा।

देखो, यही तो मैं पहले कह रहा था। जैकब, उसे अपने आध्यात्मिक विकास के मामले में झटका लगा है। नतीजतन, वह सिर्फ़ अपने बचने में दिलचस्पी रखता है।

वह अपने बेटों, अपने परिवार पर अपनी नैतिकता और अपने नेतृत्व का त्याग करता है, क्योंकि मुझे लगता है कि वह इस बात से डरता है कि विभिन्न पड़ोसियों के लिए इसका क्या मतलब होगा। तो, फिर यह बातचीत की ओर बढ़ता है, और बेटों, जैसा कि हमें श्लोक 6 और 7 में बताया गया है, इसके बारे में सुनते हैं। वे खेतों से आते हैं, वे इसके बारे में सुनते हैं।

सबसे पहले, वे दुखी हैं। वे शोक की प्रक्रिया से गुज़र रहे हैं क्योंकि स्थानीय लोगों ने न केवल उनकी बहन बल्कि पूरे जैकब कबीले पर भी आरोप लगाया है। देखिए, इसका उनके प्रति सम्मान और उनकी मान्यता पर असर पड़ता है।

और फिर यह कहता है कि वे जितने क्रोधित हो सकते थे, उतने क्रोधित थे। न्यू इंटरनेशनल वर्शन में रोष एक अच्छा अनुवाद है। क्यों? इस्राएल में हुई शर्मनाक घटना के कारण।

और इस बारे में सबसे खास बात यह है कि अगर आप इसे इसराइल के तौर पर लेते हैं, तो बेशक इसे इस नज़रिए से बताया गया है कि जब इस्राइल एक राष्ट्र बन जाता है, एक बड़ा जनसमूह बन जाता है, न कि इसराइल के व्यक्ति के तौर पर। लेकिन इसे जैकब के तौर पर पढ़ा जा सकता है क्योंकि इसका अनुवाद इसराइल के खिलाफ एक अपमानजनक बात के तौर पर किया जा सकता है। जैकब की बेटी के साथ संबंध बनाना, एक ऐसी बात है जो नहीं की जानी चाहिए।

अब, यह वाचा कानून की भाषा है जो पेंटाटयूक में पाई जाती है। अपमानजनक बात की यह भाषा अक्सर यौन अनैतिकता और अपराधों से जुड़ी होती है। और इसलिए, यहाँ स्पष्ट रूप से, याकूब की बेटी के साथ झूठ बोलने से, यह मेरे लिए बहुत स्पष्ट हो जाता है, है न, कि यह एक यौन अपमान है।

फिर, श्लोक 8 में, हामोर ने उनसे कहा, मेरे बेटे शेकेम का दिल तुम्हारी बेटी पर आ गया है। ध्यान दें कि इसमें तुम्हारी बेटी के बारे में ऐसा लिखा है मानो बेटी भी बेटों की है, लेकिन

असल में वह उसकी बहन है। लेकिन मुद्दा यह है कि पिता याकूब और बेटे एकजुटता, एकता में दिखाई देते हैं।

तो हामोर की ओर से सम्मान है; बेशक बहुत देर हो चुकी है; वह देता है, कृपया; यह बातचीत में प्रवेश करने का एक सम्मानजनक तरीका है। जैकब ने कई बातचीत का अनुभव किया था। और इसलिए यहाँ, हमारे साथ विवाह करें।

अपनी बेटियाँ हमें दे दो और हमारी बेटियाँ अपने लिए ले लो। अब, यह अपने आप में काफी सौम्य लगता है, लेकिन वास्तव में, यह धमकी भरा है। आप पेंटाटेच में कई बार पाते हैं, जो कि इज़राइल और जोशुआ, न्यायाधीशों, शमूएल और राजाओं के इतिहास के बारे में बताया गया है, कि स्थानीय आबादी के साथ अंतर्जातीय विवाह अनिवार्य रूप से, हर मामले में, मूर्तिपूजा की ओर ले जाता है।

यह कि दो विश्वदृष्टिकोणों के बीच एक उलझन है, अर्थात् मूर्तिपूजक विश्वदृष्टिकोण और फिर यहोवावाद का विश्वदृष्टिकोण, एक सच्चे ईश्वर की पूजा। तो यह खतरनाक है। आप इसे तभी समझ पाएँगे जब आप आगे की कहानी जानेंगे जब आप यह पता लगाएँगे कि इस्राएल का उसके धर्मत्याग में क्या हुआ, जो कि आंशिक रूप से अंतर्जातीय विवाह के कारण हुआ।

और फिर हम श्लोक 10 पर आएँगे। देखिए यहाँ क्या दिख रहा है। आप हमारे बीच बस सकते हैं।

देखिए यह प्रस्ताव कितना आकर्षक है। यह एक क्षेत्र है। वे स्पष्ट रूप से एक शक्तिशाली लोग हैं।

यहाँ आपसी सुरक्षा और संरक्षण की संधि होगी। यह ज़मीन तुम्हारे लिए खुली है। इसमें रहो, व्यापार करो और इसमें संपत्ति अर्जित करो।

शेकेमियों के साथ अपने संबंध के कारण सुरक्षा मिल सकती है। लेकिन यह एक बड़ा खतरा है।

याकूब के बेटों को इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। वे अपना बदला लेने जा रहे हैं। वे इस अवसर के कारण शेकेमियों की हत्या करने जा रहे हैं।

और फिर, वे क्या करते हैं? खैर, यह श्लोक 13 में वर्णित है। क्योंकि उनकी बहन दीना को अपवित्र किया गया था, याकूब के बेटों ने यहाँ अनुवाद में उत्तर दिया, धोखे से। धोखे से वास्तव में एक घंटी बजती है, है न? हम जो कुछ भी बड़े पैमाने पर कुलपिता के कबीले के बारे में सीख रहे हैं, और फिर निश्चित रूप से याकूब के बारे में, जो हर बिंदु पर धोखेबाज होने से लेकर ईश्वर का सामना करने, अपनी गलतियों से सीखने, अपनी गलतियों का पश्चाताप करने, लाबान के साथ उसके मेल-मिलाप, एसाव के साथ उसके मेल-मिलाप तक के परिवर्तन में है।

और अब यह उसके खिलाफ़ हो जाएगा और उसे परेशान करेगा। याकूब के बेटों ने शेकेम और उसके पिता से बात करते हुए धोखे से जवाब दिया। और उन्होंने कहा, नहीं, हम ऐसा नहीं कर सकते।

हम आपके साथ इस तरह की संधि नहीं कर सकते क्योंकि हम अपनी बहन को ऐसे व्यक्ति को नहीं दे सकते जिसका खतना नहीं हुआ है। अब, उनका क्या मतलब है? अध्याय 17 में, आपको याद होगा कि खतना वाचा के लिए वाचा का संकेत है, वह रिश्ता जो परमेश्वर ने अब्राहम के साथ बनाया था , और अब्राहम वाचा से संबंधित सभी वादे। अब, खतना एक उचित संकेत था क्योंकि अब्राहम वाचा का बहुत सारा ध्यान उसके भविष्य के वंशजों से जुड़ा हुआ है।

और, बेशक, पुरुष यौन अंग की चमड़ी को हटाना जो संतान पैदा करता है, अब्राहम के वंशजों को पहचानने और अलग करने के लिए एक उपयुक्त चिह्न होगा। और इसलिए, आठवें दिन, सभी पुरुष जो या तो स्वाभाविक रूप से पैदा हुए हैं या याकूब के परिवार में खरीद कर लाए गए हैं और उन सभी का आठवें दिन खतना किया जाना है। तो, वे इसी बात का जिक्र कर रहे हैं।

यानी आपको हमारी परंपरा, अब्राहमिक वाचा की हमारी विरासत में शामिल होना होगा। आपको हमारे जीवन जीने के तरीके और सोचने के तरीके के प्रति खुद को समर्पित करना होगा और हमारे रीति-रिवाजों को अपनाना होगा। आपको यही करना होगा।

शेकेमियों के मन में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन होता , जिसे उन्होंने करने का फैसला किया। और फिर पद 16 में धोखा जारी रहता है। केवल एक बार जब आप खतना के लिए सहमत हो जाते हैं, तो हम अंतर्जातीय विवाह कर सकते हैं।

और फिर हमारे दो समूहों के बीच जो कुछ भी सकारात्मक है और इसका मतलब हमारे दो समूहों के बीच एक अच्छे आर्थिक और सामाजिक संपर्क के लिए क्या हो सकता है, वह संभव है। और फिर हम आगे बढ़ते हैं। हम आपके बीच बस जाएंगे और आपके साथ एक लोग बन जाएंगे।

इसलिए वे दो लोगों के बीच एकता, एकता का प्रस्ताव रखते हैं। यह शेकेम, उसके पिता हामोर और पूरे समूह, शेकेमियों के लिए बहुत आकर्षक लगता है, जो इस प्रस्ताव से सहमत होंगे। और निश्चित रूप से, जब शेकेमियों को इस लीग में शामिल होने के लिए मनाने की बात आती है तो शेकेम बहुत आश्वस्त है।

अब, इस बारे में जो सबसे भयानक बात है, वह यह है कि यह सिर्फ इस संधि में शामिल होने के लिए सहमत होने का एक साधारण धोखा नहीं है, बल्कि जिस तरह से उन्होंने यह किया, उससे पता चलता है कि याकूब के बेटे कितने पतित, पतित, नैतिक रूप से कितने नीचे गिर गए थे। क्योंकि वे जो इस्तेमाल कर रहे थे, वह ईश्वर के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उनके प्रति उनकी प्रतिबद्धता की एक पवित्र, पवित्र विशेषता थी। और मुझे लगता है कि यही बात बहुत घिनौनी है जब आप ऐसे लोगों के बारे में सुनते हैं जो विशेष रूप से धार्मिक हैं या कहें कि एक पादरी या मिशनरी जो पैसे लेकर भाग जाता है, जिसे लोगों ने अपने तरीके से प्रभु के काम के लिए चर्च को दिया है, एक पवित्र भेंट।

लेकिन फिर नेतृत्व उस पैसे को ले लेता है और उसे बुरे उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करता है। इस तरह की चीज़ें जहां काम पर दुर्व्यवहार होता है और पवित्र, पवित्र चीजों के प्रति पवित्र रवैया नहीं होता है, भगवान के खिलाफ एक गंभीर अपराध और भगवान के लोगों के खिलाफ एक गंभीर अपराध है। और यही यहाँ काम कर रहा है।

यहाँ, प्रेड सिग्नल, पीढ़ी दर पीढ़ी परमेश्वर के प्रेम का संकेत है जो कुलपिताओं के लिए और बदले में परमेश्वर के लोगों के लिए परमेश्वर के प्रेम में है। और इसका इस्तेमाल सबसे बुरे उद्देश्यों के लिए किया जाता है। खैर, हम अगले अध्याय में, या बल्कि, मुझे कहना चाहिए,

पैराग्राफ में पाते हैं कि बातचीत को लोगों तक, खुद शेकेमाइट लोगों तक बढ़ाया जाना चाहिए।

शेकेमियों के शासक अभिजात वर्ग के साथ इस पर चर्चा करते हुए पाते हैं । और इसलिए ये लोग हमारे प्रतिमित्रवत हैं। देखिए, वे पूरी तरह से ठगे गए हैं।

उन्हें हमारी जमीन पर रहने दें और व्यापार करने दें। जमीन में उनके लिए बहुत जगह है। इसलिए, सबकी नज़र इस बात पर होगी कि इस रिश्ते से कितनी दौलत हासिल की जा सकती है।

और इसलिए, हम विवाह कर सकते हैं। लेकिन पुरुष हमारे साथ एक ही जाति के रूप में रहने के लिए सहमत होंगे। इसलिए, यह प्रस्ताव का सही प्रतिनिधित्व है।

और वे अधिकांशतःसटीक प्रतीत होते हैं। हालाँकि, बेशक, वे शहरवासियों के लिए बहुत सकारात्मक प्रकाश में प्रस्तुत किए गए। लेकिन हमारे पुरुषों का खतना होना चाहिए।

अब, हमें यह याद रखने की जरूरत है कि खितना पूरी तरह से नया नहीं था। खतना दूसरे लोगों के समूहों द्वारा भी किया जाता था। आपको याद होगा कि फ़िलिस्तीनियों ने इसे नहीं किया था।

और इसलिए, उन्हें हिब्रू लोगों द्वारा अपमानित किया गया, जो उन्हें खतना रहित कहते थे। इसलिए, खतना को आमतौर पर इन अन्य लोगों के समूहों में यौवन संस्कार के रूप में देखा जाता था। मिस्र में ऐसा ही है।

यह कोई यौवन संस्कार नहीं है। यह एक ऐसा संस्कार है जो निश्चित रूप से, इस वाचा संबंध के लिए एक बच्चे के आठवें दिन किया जाना चाहिए। मुझे यकीन है कि ये पुरुष इस बात से बहुत आश्चर्यचकित और चकित हुए होंगे कि उन्हें अपनी वयस्क उम्र में खतना करवाना होगा।

और फिर, फिर से, पुरुषों को और अधिक समझाने के लिए, श्लोक 23, क्या उनके पशुधन, उनकी संपत्ति और उनके सभी अन्य जानवर हमारे नहीं हो जाएँगे? खैर, यह एक आशावादी चित्रण है। तो आइए हम उन्हें अपनी सहमति दें और वे हमारे बीच बस जाएँगे। और वे सहमत हो गए।

बेटा, हम इसके परिणामस्वरूप बहुत अमीर बन जाएँगे। और इसलिए, उनका खतना किया गया। अब, यह उन्हें शिमोन और लेवी की योजनाओं के खिलाफ बचाव करने में असमर्थ बनाता है, जो तीन दिन बाद, उन पर हमला करके उन्हें मार डालना चाहते हैं।

अब, तीन दिन बाद क्यों? खैर, ऐसा इसलिए क्योंकि वे अपनी चमड़ी को हटाए जाने के समय सबसे दर्दनाक, दुर्बल अवस्था में रहे होंगे। इसलिए, वे रक्षाहीन थे। और वे बेखबर शहर में घुस गए, और हर नर को मार डाला।

और फिर यह थोड़ी देर बाद वर्णन करता है कि कैसे सभी भाई, मुझे संदेह है, इस नरसंहार में शामिल थे और कैसे उन्होंने उनसे उनकी संपत्ति लूट ली और महिलाओं और बच्चों को ले गए और शेकेमियों को लूट लिया । अब, आइए याकूब की प्रतिक्रिया देखें। उसने शिमोन और लेवी से कहा, तुमने मुझे एक दुर्गंध, अलंकार, निश्चित रूप से, कनानियों और परिज्जियों के लिए दुर्गंधयुक्त बनाकर मेरे लिए परेशानी खड़ी कर दी है, जो उस क्षेत्र में एक और बहुत ही महत्वपूर्ण लोग समूह है, जिसका उल्लेख पहले अध्याय 13, श्लोक 7 में किया गया है। इसलिए, इस देश में रहने वाले लोग, हम संख्या में कम हैं।

देखिए, मुझे लगता है कि यही कारण है कि वह इन राष्ट्र राज्यों के सामने बहुत असुरक्षित महसूस करता है... वह शत्रुतापूर्ण भूमि पर है। उसके खिलाफ़ बहुत बड़ी शत्रुता की संभावना है। हम संख्या में कम हैं।

और अगर वे मेरे खिलाफ़ एकजुट होकर मुझ पर हमला करते हैं, तो मैं और मेरा परिवार नष्ट हो जाएगा। यही उसकी चिंता है। और वह अपने बेटों की अनैतिकता के बारे में नहीं, बल्कि उसके परिणामों के बारे में बात करता है।

अब, ध्यान दें कि वे किस तरह से प्रतिक्रिया देते हैं। उनकी ओर से पश्चाताप का कोई संकेत नहीं है। क्या उसे हमारी बहन के साथ वेश्या जैसा व्यवहार करना चाहिए था? मुझे वास्तव में नहीं लगता कि हम इस प्रतिक्रिया से कुछ भी सकारात्मक निष्कर्ष निकाल सकते हैं।

बल्कि, वे जो कह रहे हैं वह उनके अनैतिक व्यवहार को उचित ठहराना है। क्या उसे हमारी बहन के साथ वेश्या जैसा व्यवहार करना चाहिए था? यह एक बयान है। नहीं, और जो कोई भी हमारे साथ बुरा व्यवहार करेगा, हम उसका हिसाब देंगे।

उन्हें इसका हिसाब देना होगा। अब, जब हम अध्याय 35 में जाते हैं, और यहाँ हमें जन्म के समय आशीर्वाद और संघर्ष दोनों मिलते हैं। हम ईश्वर का आशीर्वाद देखते हैं, लेकिन हम मृत्यु की एक बहुत ही दुखद श्रृंखला भी देखेंगे।

फिर परमेश्वर ने याकूब से कहा कि वह बेतेल जाकर वहाँ बस जाए। इसलिए, वे शेकेम में हैं, और वादा बेतेल लौटने से संबंधित है। और यही उद्देश्य याकूब को लाबान के घराने को छोड़कर बेतेल वापस जाने की आज्ञा देने के पीछे है।

इसलिए, वह उसे वहाँ बसने और वहाँ परमेश्वर के लिए एक वेदी बनाने के लिए कहता है, जो तुम्हारे भाई एसाव से भागते समय तुम्हारे सामने प्रकट हुआ था। यह एक पूरा चक्र बनाता है। बेथेल से प्रस्थान और अब बेथेल में वापसी।

अब, हम अपना पहला दफ़न करने जा रहे हैं। यह घर के देवताओं का दफ़न है। और याद रखें कि राहेल ने अपने भाई लाबान के घर के देवताओं को चुरा लिया था, उन्हें छिपा दिया था।

और जो कुछ भी जमा हुआ हो, मूर्तिपूजा और भविष्यवाणी से संबंधित चीजें, उस क्रम की चीजें। इसलिए वह कहता है, सबसे पहले, अपने साथ मौजूद विदेशी देवताओं से छुटकारा पाओ और खुद को शुद्ध करो, जैसा कि इन शुद्धिकरण अनुष्ठानों से देखा जा सकता है। यह एक अनुष्ठान के माध्यम से, मूर्तिपूजा की किसी भी निशानी से खुद को शुद्ध करने के अनुष्ठान के माध्यम से संकेत होगा।

अपने कपड़े बदलो। फिर से, संदूषण का एक संकेत जिसे अलग रखना है, अतीत को दूर रखना है। इसलिए यही होता है कि बेथेल जाने की सलाह दी जाती है।

और फिर वह याकूब को बताता है कि, चलो चलते हैं। चलो इस क्षेत्र से आगे बढ़ते हैं और बेथेल चलते हैं। यह याकूब के लिए परमेश्वर की दैवीय इच्छा और उद्देश्य की याद दिलाता है।

और इसीलिए मैं इसे दफ़न, पहला दफ़न कहता हूँ क्योंकि यही श्लोक 4 में घटित हो रहा है। और याकूब ने उन्हें शेकेम में ओक के पेड़ के नीचे दफ़नाया। और फिर वे निकल पड़े और परमेश्वर का भय उनके चारों ओर के नगरों पर छा गया, ताकि कोई उनका पीछा न करे। यह एक अद्भुत प्रभाव है।

यह वास्तव में उस बात के विपरीत है जिससे याकूब डरता था, अर्थात ये शत्रु, संभावित शत्रु, याकूब के वंश पर हमला करेंगे। लेकिन वास्तव में, परमेश्वर ने हस्तक्षेप किया। यह वह आतंक है जिसे परमेश्वर ने अन्य लोगों पर सुरक्षा और सहायता के लिए थोपा था।

मैं यहाँ रुककर एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात कहना चाहूँगा। और वह यह है कि, जब हम इस पुस्तक के शेष भाग को पढ़ते हैं, तो हम धोखे, अपहरण, हत्या, ओह, इतने घृणित को देखते हैं। हमें आश्चर्य होता है कि परमेश्वर ऐसे लोगों के साथ कैसे काम कर सकता है। और इसलिए, यह परमेश्वर के वादों की ईमानदारी को दर्शाता है।

और यह उस तरीके को भी दर्शाता है जिसमें परमेश्वर वहीं से शुरू करता है जहाँ वे हैं। और उनके साथ काम करके, उनके अनजाने में, विभिन्न तरीकों से, वह उन्हें अपनी ओर खींचता है और पश्चाताप की ओर ले जाता है। और हम पाएंगे कि लेवी, शिमोन, सभी लोग, जनजातियाँ, भाई जो अपहरण के लिए जिम्मेदार थे, यूसुफ को बेचने के लिए जिम्मेदार थे, वे पश्चाताप का कार्य कर रहे हैं।

पश्चाताप। वे खुद को नम्र करते हैं। वे स्वीकार करते हैं कि परमेश्वर काम कर रहा था।

और यूसुफ भी इसे पहचानता है। इसलिए, मुझे लगता है कि हमारे लिए यह याद रखना ज़रूरी है कि परमेश्वर इन लोगों के साथ काम करता है, उनकी योग्यता के कारण नहीं, न ही उनकी धार्मिकता के उच्च मानकों के कारण, बल्कि परमेश्वर इन लोगों के साथ काम करता है, जैसा कि व्यवस्थाविवरण में कहा गया है, पिताओं के प्रति अपने प्रेम के कारण। और वह उन्हें अनुभवों, उनके सामने प्रकट होने और उसके बाद आने वाली परिस्थितियों की एक श्रृंखला के ज़रिए अपनी ओर आकर्षित करने जा रहा है।

तो, मैं चाहता हूँ कि आप इसे एक भजन से सुनें। भजनकार भजन 130 में इस बारे में बात करता है। यह श्लोक 1 में कहता है कि यदि आप वहाँ जाना चाहते हैं, तो आप निश्चित रूप से जा सकते हैं।

श्लोक 1 से 8. मैं न्यू इंटरनेशनल वर्शन से फिर से पढ़ रहा हूँ। हे प्रभु, मैं गहराई से आपकी दुहाई देता हूँ। ध्यान दें कि वह यह नहीं कहता है, हे प्रभु, मुझे गहराई से बाहर निकालो।

यह एक ऐसा तरीका है जिसमें परीक्षण और पीड़ा के समय में, लेकिन पाप के समय में भी, पश्चाताप की आवश्यकता होती है। हे प्रभु, मैं गहराई से आपकी दुहाई देता हूँ। मेरी आवाज़ सुनिए।

अपने कान मेरी दया की पुकार पर लगाओ। यदि तुम, प्रभु, पापों का लेखा-जोखा रखते, तो कौन खड़ा रह सकता था? सर्वशक्तिमान परमेश्वर पापियों के विरुद्ध क्रोध और न्याय लाएगा। लेकिन, तुम्हारे साथ, क्षमा है ताकि हम श्रद्धा के साथ तुम्हारी सेवा कर सकें।

यह एक पूर्ण बदलाव है। और यही बात यहाँ ध्यान में रखी गई है। और खास तौर पर जब आप पद 7 में इस्राएल शब्द को उठाते हैं। इस्राएल, अपनी आशा यहोवा पर रखो, क्योंकि यहोवा के साथ प्रेम अटल है।

और उसके साथ पूर्ण छुटकारा है। देखो, वह खुद ही इसे शुरू करेगा। वह खुद ही इस्राएल को उनके सभी पापों से मुक्त करेगा।

तो कुलपतिओं के जीवन में इस सबसे अंधकारमय घड़ी के बीच में भी, याकूब और याकूब के इन बेटों के जीवन में आशा है। अब, हम पाते हैं कि पद 5 से 15 में बेतेल की वापसी का वर्णन किया गया है। और मुख्य विचार पद 9 है। यही पद 5 से 15 का मुद्दा है।

यह मुख्य संदेश है। याकूब के पद्दन अराम लौटने के बाद, परमेश्वर ने उसे फिर से दर्शन दिया। तो, यह एक उपस्थिति है, और यह दृश्य है।

और उसे आशीर्वाद दिया। तो यही वह संदेश है जिसके बारे में यह अध्याय बोलता है। और परमेश्वर ने उससे कहा, तेरा नाम याकूब है, परन्तु अब से तू याकूब नहीं कहलाएगा।

तुम्हारा नाम इसराइल होगा। इसलिए, उसने उसका नाम इसराइल रखा। तो, यह इसराइल नाम के महत्व की पुनरावृत्ति है, जिसका अर्थ है कि उसने एल के साथ संघर्ष किया।

उसने परमेश्वर के साथ संघर्ष किया। और इसका परिणाम यह हुआ कि इसने पश्चाताप को जन्म दिया। इसने उसे प्रभु परमेश्वर पर निर्भरता की समझ दी, हालाँकि वह निश्चित रूप से पूर्णता के बिंदु तक नहीं पहुँचा है।

और कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं करता। लेकिन परमेश्वर उसके साथ काम कर रहा है जहाँ वह है। और वह एक यात्रा पर है।

वह आध्यात्मिक विकास की यात्रा पर है। और यह हम में से हर एक के लिए सच है। जैसा कि भजनकार ने हमारे द्वारा पढ़े जाने वाले भजन में बताया है, कि जो लोग पश्चाताप करेंगे, उन्हें क्षमा करना, उन्हें पुनर्स्थापित करना परमेश्वर की प्रवृत्ति है।

और ऐसा करने में उसे खुशी मिलती है। लेकिन जब पाप होता है , और दुष्टता और दुर्दशा होती है, तो यह उसे पीछा करने के लिए उकसाता है। अपने लोगों को सुधारने की यही ज़रूरत है ताकि वे खुद को पिछले पाप से मुक्त कर सकें और नए कपड़े पहन सकें, नए जीवन की धार्मिक शुद्धि के बाद नए कपड़े।

और फिर हमारे पास ईश्वर की पहचान है। यह वह भाषा है जिसे हमने अध्याय दर अध्याय सुना है। यह आगे ला रहा है, आप देखिए, परिवर्तन, जो हमने अतीत में देखा है उसे आगे ला रहा है।

यह परमेश्वर की पहचान को बहुत हद तक दोहराता है, जिसने खुद को इस रूप में प्रकट किया था जब यह अब्राहम, एल शद्दाई, सर्वशक्तिमान परमेश्वर के बारे में अध्याय 15 में बात आई थी। फलदायी बनो, संख्या में बढ़ो। फिर से, समृद्धि और प्रजनन की पुनरावृत्ति, एक महान राष्ट्र का निर्माण हमें अब्राहमिक वादों की याद दिलाता है।

फिर, अध्याय 17 में जो विशिष्टता पाई जाती है वह यह है कि राष्ट्रों का यह समुदाय आपके अपने शरीर से आएगा, किसी सेवक, एलीआजर के माध्यम से नहीं, किसी दासी, हागर के माध्यम से नहीं। और फिर भूमि का वादा है। जो भूमि मैंने अब्राहम और इसहाक को दी थी, वह मैं तुम्हें भी देता हूँ, और मैं यह भूमि तुम्हारे वंशजों को दूँगा।

और फिर परमेश्वर ऊपर चढ़ गया, प्रभु परमेश्वर ऊपर चढ़ गया। और यहीं पर याकूब ने एक पत्थर का खंभा खड़ा किया, जैसा कि उसने अध्याय 28 में बेथेल में किया था, जो परमेश्वर के साथ उसकी संगति के लिए बनाए गए स्मारक का संकेत था। परमेश्वर के साथ उसकी मुलाकात उसके आध्यात्मिक विकास में बहुत महत्वपूर्ण है।

यह व्यक्तिगत है। ईश्वर अत्यंत व्यक्तिगत है। ईश्वर उदासीन नहीं है।

वह अवैयक्तिक नहीं है। ईश्वर कोई पवित्र यंत्र नहीं है। वह कोई पवित्र कंप्यूटर नहीं है, बल्कि वह व्यक्तिगत है और उसने पुरुषों और महिलाओं को व्यक्ति होने के लिए बनाया है ताकि उनके बीच, जैसा कि हम कहते हैं, एक व्यक्तिगत संबंध, एक मुलाकात, एक जुड़ाव हो सके।

यह रिश्ता नाटकीय रूप से आगे बढ़ेगा, नाटकीय रूप से विकसित होगा, नाटकीय रूप से तीव्र होगा, और सार्थक होगा। जब परमेश्वर स्वयं प्रभु यीशु मसीह में आएगा, जब परमेश्वर का पुत्र मानवीय स्वभाव और उसकी विशेषताओं को ग्रहण करेगा, फिर भी पाप रहित होगा, ताकि वह इन आरंभिक अध्यायों में परमेश्वर द्वारा आरंभ की गई बातों को पूर्ण रूप से पूरा कर सके, परमेश्वर मानवता का निर्माण करेगा, परमेश्वर एक विशेष राष्ट्र का निर्माण करेगा, परमेश्वर के पास एक योजना होगी जो पीढ़ियों में, विभिन्न लोगों के समूहों में प्रकट होगी। क्योंकि जैसा कि हम अगले अध्याय 36 में देखेंगे, इस्राएल से परे लोगों के लिए भी एक आशीर्वाद है।

अन्य राष्ट्रों के लिए आशीर्वाद है, और इसलिए वह वास्तव में राष्ट्रों का राजा बन जाएगा। फिर हमें डेबोरा और राहेल की मृत्यु के बारे में बताया गया है, जिन्होंने बेंजामिन को जन्म दिया। वह 12वां और सबसे छोटा बेटा है, और यह इतना महत्वपूर्ण है कि हम समझें कि यूसुफ और बेंजामिन याकूब और राहेल, उसकी प्यारी पत्नी की संतान हैं।

तो, वह दोनों के प्रति पक्षपात दिखाता है, और यह हमारे लिए महत्वपूर्ण होगा जब हम अगली बार, अगली बार यूसुफ की कहानी में आगे बढ़ेंगे। तो यहाँ जन्म देने के लिए उसका संघर्ष है। अब, यह एक अनुस्मारक हो सकता है, रिबका के गर्भ में याकूब एसाव के संघर्ष की एक प्रतिध्वनि और कैसे वह भविष्यवाणी, कैसे बड़ा छोटे की सेवा करेगा, वह भविष्यवाणी जो आप देखते हैं, याकूब एसाव के वृत्तांतों में जो हमने पाया है, उसमें पूर्ति का एक महत्वपूर्ण चरण है।

अब, बाद में, हम देखेंगे कि उत्पत्ति में जो बताया गया है वह वास्तविकता में तब आएगा जब हम इस्राएल और एसाव के वंशजों, एदोमियों, और उनके उतार-चढ़ाव भरे संबंधों, विशेष रूप से एदोमियों और इस्राएलियों के बीच उनके लंबे इतिहास में वर्णित शत्रुता का पता लगाएंगे। लेकिन भविष्यवक्ता भविष्य के समय की बात करते हैं, जैसा कि भजनकार करते हैं, इस्राएल और इन सभी विभिन्न लोगों के समूहों के बीच मेल-मिलाप की बात करते हैं, कि उत्पत्ति अध्याय 10 में वर्णित लोग समूह, राष्ट्रों की तालिका, कि सुसमाचार उनके लिए है, आशीर्वाद की योजना उनके लिए भी है, अब्राहम और उसके वंशजों के माध्यम से। और हम देखेंगे कि उत्पत्ति में जन्मी यह अपेक्षा, जो एक अस्पष्ट तरीके से दर्शाई गई है, निहित है, यीशु की चेतावनी के साथ अपने पूर्ण रूप से वास्तविकता लेगी, जो कि एकमात्र सच्ची संतान है, जो कि आदर्श धन्य संतान है, अब्राहम का वंशज है, और वह कैसे पवित्र आत्मा के साथ सभी राष्ट्रों के बीच जाने और परमेश्वर के राज्य को प्रस्तुत करने के लिए, परमेश्वर की उपस्थिति को अब उनके बीच में उपलब्ध करने के लिए आदेश देता है और सुसज्जित करता है, यदि वे पश्चाताप और विश्वास के माध्यम से इस प्रस्ताव को स्वीकार करेंगे।

एक आखिरी बात जिस पर हम गौर करना चाहते हैं, वह है इज़राइल और यह महत्वपूर्ण है, वे यहाँ फिर से इज़राइल शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जो लोगों के रूप में इज़राइल से किए गए वादों को ध्यान में लाता है, फिर से आगे बढ़ा और मैकडॉवेल से परे अपना तंबू लगाया, यह बेथलेहम के क्षेत्र में कहीं रहा होगा। जब इज़राइल उस क्षेत्र में रह रहा था, तब एक आपदा आई। किसने सोचा होगा कि बारह में से ज्येष्ठ, रूबेन, बिल्हा के साथ यौन संबंध बनाकर अनाचार करेगा? और रूबेन की ओर से यह कितना भयानक कृत्य था, जो, आप देखिए, ज्येष्ठ होने के सबसे विशेषाधिकार प्राप्त अधिकार में खड़ा था, न केवल जैविक रूप से, बल्कि अपने पिता, याकूब से आशीर्वाद भी प्राप्त कर रहा था।

लेकिन उसने इस तरह से खुद को अयोग्य ठहराया है। और यही, जाहिर है, इन बारह बेटों को सूचीबद्ध करने के लिए एक प्रेरणा थी। और इसलिए, ध्यान दें कि यह कहता है, जो हमने अभी श्लोक 23 में कहा है, रूबेन, याकूब का ज्येष्ठ पुत्र।

अब, बाद में, जब हम याकूब से प्राप्त आशीर्वाद के बारे में पढ़ते हैं, तो हम पाएंगे कि इतिहास के लेखक ने यह मुद्दा उठाया है कि यूसुफ को उसके दो बेटों को आशीर्वाद दिया गया था, और हम उत्पत्ति के अंत में इस पर चर्चा करेंगे, और याकूब यूसुफ के दो बेटों, एप्रैम और मनश्शे को आशीर्वाद देगा। इतिहासकार के दृष्टिकोण से, यह वह तरीका होगा जिससे आशीर्वाद यूसुफ की संतानों पर पड़ेगा। अब अध्याय 5 को समाप्त करने के लिए, ध्यान दें कि याकूब अपने पिता इसहाक के घर आया।

और जो तुम पढ़ोगे, मैं भूल गया कि तुम्हारे पास डेबोरा की मृत्यु है, और राहेल की दासी कौन है। तुम्हारे पास राहेल की मृत्यु है। और अब हमारे पास इसहाक का दफ़न है।

देवताओं के दफ़न के साथ, आपके पास चार दफ़न हैं। अतीत में, हम आगे बढ़ रहे हैं। हम सब कुछ पीछे नहीं छोड़ रहे हैं।

हम इसे ले रहे हैं, और वे अब बेटों पर नए फोकस के साथ इसे आगे बढ़ा रहे हैं। फिर हमारे पास, इश्माएल के वर्णन के मामले की तरह, उसके वंशज, इश्माएल की संतान, 12 गोत्र हैं। यहाँ हमारे पास अध्याय 36 में, एसाव की पत्नियों और उसके सरदारों की सूची है जो उससे निकले थे।

फिर एदोमियों ने एदोमियों को लिया जो एसाव के वंशज हैं, लेकिन अब राष्ट्र पर ध्यान केंद्रित करते हैं। और दिलचस्प बात यह है कि अध्याय 36 की आयत 31 में हमारे लिए कुछ अंतर्दृष्टि प्रदान की गई है। ये वे राजा थे जिन्होंने किसी भी इस्राएली राजा के शासन करने से पहले एदोम में शासन किया था।

और इसलिए, यह अंतर्दृष्टि का एक बाद का नोट होना चाहिए। अंतर्दृष्टि और यह बाद के पाठकों के लिए है । यह बाद के पाठकों के लिए कैसे काम करता है? खैर, यह विचार है कि हाँ, हम इन सभी सरदारों को देखते हैं जो एसाव से पैदा हुए और ये राजा जो उभरे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस्राएलियों को छोड़ दिया गया है।

इसके विपरीत, हम उत्पत्ति में ही संकेत पाते हैं कि एक आने वाला राजा है। और यह याकूब के बेटों में से एक के माध्यम से आने वाला राजा है, और वह यहूदा है। और यहूदा के गोत्र से दाऊद आता है।

और फिर दाऊद के वंश से प्रभु यीशु मसीह आएंगे। हम देखेंगे कि यह सब कैसे खेला जाता है क्योंकि हमारे पास यूसुफ चक्र और कथाएँ हैं जो अगली बार अध्याय 37, श्लोक 2 से शुरू होती हैं। यह वंशावली है। यह याकूब का वृत्तांत है जो आगे की ओर इशारा करता है जैसा कि हमने इस कैचफ्रेज़ के साथ देखा है, जो याकूब के बेटों की ओर इशारा करता है।

यह डॉ. केनेथ मैथ्यूज़ हैं जो उत्पत्ति की पुस्तक पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह सत्र 20 है, याकूब की बेटी और बेथेल की वापसी। उत्पत्ति 34:1-37:1।